



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 508]  
No. 508]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 4, 1986/कार्तिक 13, 1908  
NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 4, 1986/KARTIKA 13, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as  
a separate compilation

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1986

सा. का. दि. 1177(अ) :—केन्द्रीय सरकार सहा  
पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की  
धारा 132, उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124,  
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए  
एतद्वारा मुरगांव पत्तन कर्मचारियों (चिकित्सा परिचर्या)  
(संशोधन) विनियम, 1969 को इसके द्वारा संशोधन अनुसूची  
के अनुसार अनुसूचित प्रदान करती है।

2. ये विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में  
प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

मुरगांव पत्तन न्यास

मुरगांव पत्तन कर्मचारी (चिकित्सा परिचर्या) विनियम,  
1969 में संशोधन

प्रमुख पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38)  
की धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए  
मुरगांव पत्तन का न्यासी समुह इसके द्वारा मुरगांव पत्तन  
कर्मचारी (चिकित्सा परिचर्या) विनियम, 1969 को पुनः  
संशोधित करके निम्न अधिसूचित विनियम बनाता है,  
जिसमें—

(i) ये विनियम मुरगांव पत्तन कर्मचारी  
(चिकित्सा परिचर्या) (संशोधन) विनियम, 1986  
काहे जायेंगे।

(ii) ये उन्ही तारीख से प्रभावी होंगे जिस तारीख को  
इन विनियमों के लिये सरकारी अनुसूचित सरकारी  
राजपत्र में प्रकाशित होता है।

(2) मूरगांव पोर्टन कर्मचारी (चिकित्सा परिचर्या)  
विनियम, 1969 :—

(क) विनियम 3 के खण्ड (डी) के नीचे नोट-4 के  
बाद अधोलिखित को नोट-5 के रूप में जोड़ दिया  
जाए, यथा :—

“नोट-5 : कोई महिला कर्मचारी अपनी शादी के  
बाद चिकित्सा रियायतों के लाभ के प्रयोजन के लिए  
अपने माता-पिता अथवा सास-ससुर का नाम जोड़ सकती  
है, किन्तु यह महिला कर्मचारी पर धारित होवे तथा  
उसके साथ रहने की शर्त के अधीन होगा।

प्रत्येक महिला कर्मचारी को अपनी शादी के तत्काल बाद  
प्रतिपूर्ति योजना के तहत चिकित्सा रियायतों के लाभ के  
प्रयोजन के लिए अपने माता-पिता अथवा सास-ससुर का  
नाम जोड़ने की घोषणा-पत्र प्रस्तुत करना होगा। इस  
तरह का चुनाव वह अपने संपूर्ण सेवाकाल में एक ही  
बार कर सकती है।”

(ख) विनियम 8 के स्थान पर अधोलिखित को रखा  
जाए, यथा :—

“8. इन विनियमों में किसी बात के होते हुए भी,  
मण्डल के अस्पताल में भर्ती रोगी से उसके अस्पताल में  
भर्ती के अवधि में उसे दिए गए आहार के लिए समय-  
समय पर मण्डल द्वारा निर्धारित रकम की वसूली की  
जाएगी।”

[फा. सं. पी. डब्ल्यू./पी. ई. आर.-48/85]  
पी. एम. अब्राहम, प्रतिरिक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT  
(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th November, 1986

G.S.R. 1177 (E) :—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Mormugao Port Employees' (Medical Attendance) (Amendment) Regulations, 1986 as set out in the Schedule annexed hereto.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE

MORMUGAO PORT TRUST

MORMUGAO PORT EMPLOYEES' (MEDICAL ATTENDANCE) AMENDMENT REGULATIONS, 1986

In exercise of the powers conferred by section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Mormugao, hereby makes the following regulations further to amend the Mormugao Port Employees' (Medical Attendance) Regulations, 1969, namely :

1. (i) These regulations may be called the Mormugao Port Employees' (Medical Attendance) (Amendment) Regulations, 1986.

(ii) They shall come into force with effect from the date on which the Central Government's approval to these regulations is published in the Gazette of India.

2. In the Mormugao Port Employees' (Medical Attendance) Regulations, 1969—

(a) in clause (d) to regulation 3, after Note 4, the following Note shall be inserted, namely :—

“NOTE : 5. A female employee on her marriage will be given the choice to include either her parents or her parents-in-law for the purpose of availing of the benefits of the medical concessions, subject to the conditions of dependency and residence.

Every female employee should immediately after her marriage give a declaration as to whether she would like to include her parents or parents-in-law for the purpose of availing of the benefits of medical concessions under reimbursement scheme. She can change her option only once during the entire period of her service”.

(b) for regulation 8, the following regulation shall be substituted, namely :—

“8. Notwithstanding anything contained in these Regulations, a patient hospitalised in the Board's Hospital shall be charged such amount as may be prescribed by the Board from time to time, towards diet supplied to him during his hospitalisation”.

[F. No. PW/PER-48/85]  
P. M. ABRAHAM, Addl. Secy.